

10/12/19 E

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **2826** **JC**

Unique Paper Code : 12325905

Name of the Course : **GE for Hons. Political
Science - CBCS**

Name of the Paper : Understanding
Ambedkar

Semester : III

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

(c) Attempt any **four** questions.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(d) **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss Ambedkar's approach to the study of Society and Religion.

धर्म एवं समाज के अध्ययन संबंधी डॉ० अम्बेडकर के दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

2. Critically examine Ambedkar's notion of origin of caste and untouchability.

जाति एवं छूआछूत की उत्पत्ति पर डॉ० अम्बेडकर के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. Analyse Ambedkar's theory of Rise and Fall of Hindu Women.

हिन्दू नारी के उत्थान एवं पतन पर डॉ० अम्बेडकर के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

4. Examine Ambedkar's view on Nation and Nationalism.

राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद पर डॉ० अम्बेडकर के विचारों का परीक्षण कीजिए।

5. "Failure of Parliamentary Democracy will result in rebellion, anarchy and communism". Examine.

‘संसदात्मक लोकतंत्र की विफलता विद्रोह, अराजकता एवं साम्यवाद को जन्म देगी।’ परीक्षण कीजिए।

6. Write an essay on Proportionate Representation.

आनुपातिक प्रतिनिधित्व पर एक निबंध लिखिए।

7. Discuss the relevance of Dr. Ambedkar's vision for modern India.

आधुनिक भारत के लिए डॉ० अम्बेडकर के दर्शन की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Labour Reform

श्रम सुधार

(b) Hindu Social Order

हिन्दू समाज व्यवस्था

(c) Constitutional Morality

संवैधानिक नैतिकता

(d) Citizenship

नागरिकता